केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
325999064	RUBEENA KHANAM 325168002

कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक – 1

सही विकल्प –

(अ) उत्तर – (iv) 100 – 120 दिन ।

(ब) उत्तर – (ii) अशुद्ध रक्त ।

(स) उत्तर – (i) दो ।

(द) उत्तर – (ii) आयोडीन ।

(इ) उत्तर – (ii) दो ।

(फ) उत्तर – (i) एड्स ।

[redacted]

[क्र. प. उ.]

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 2

रिक्त स्थान - (उत्तर)

(अ) प्लीहा (आमाशय) के पश्च किनारे में पायी जाती है।

(ब) (वृषण) नर जनन अगं है।

(स) मानव नेत्रों को (दृष्टेन्द्रियाँ) कहा जाता है।

(द) पागल कुत्ते के काटने से (हाइड्रोफोबिया) रोग हो जात है।

(इ) जीवाणुओं में गति (पक्ष्म) के द्वारा होती है।

(क) (प्रदुषण) पर्यावरण की गम्भीर समस्या है।

[क्र० प० उ०]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 4 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक - 3

सत्य / असत्य -

(अ) उत्तर - सत्य |

(ब) उत्तर - सत्य |

(स) उत्तर - सत्य |

(द) उत्तर - असत्य |

(इ) उत्तर - सत्य |

(फ) उत्तर - सत्य |

[कृ.प.उ.]

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRAD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 4

सही जोड़ी –

क्र.	I	क्र.	II
(अ)	श्वास नलिका का ऊपरी भाग है	(ii)	कण्ठ ✓ 1
(ब)	लिंग परीक्षण माना जाता है	(i)	कानूनी अपराध ✓ 1
(स)	रजोधर्म प्रारम्भ होने की आयु	(iv)	14 से 21 वर्ष ✓ 1
(द)	अलैंगिक वर्धी प्रजनन	(v)	द्विखण्डन ✓ 1
(इ)	अम्ल वर्षा	(iii)	वायु प्रदूषण ✓ 1

B
S
E

[क्र.प.उ.]

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

एक वाक्य -

(अ) उत्तर - रक्त - मानव शरीर के सभी भागों में बहने वाला गाढ़ा लाल रंग का द्रव रक्त कहलाता है।

(ब) उत्तर - पाँच।

(स) उत्तर - कृत्रिम श्वाँस।

(द) उत्तर - पर्यावरण का अर्थ हमारे चारों तरफ के वातावरण में प्रतिकूल परिवर्तन होना है

(इ) उत्तर - तीन।

[क्र.प.उ.]

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 6 (अथवा)

उत्तर - लसिकीय नोड्स के कार्य निम्न है।

(1) रक्त के लिए नये लिम्फोसाइट्स की पूर्ति करना। नोड्स की cells मे लगातार विभाजन होता रहता है। और नई बनी हुई cells लिम्फ मे चली जाती है।

(2) लिम्फ से जो बैक्टेरिया आते है, उन्हें फिल्टर करना।

प्रश्न क्रमांक - 7

उत्तर - सजीवों को कार्य करने एवं जीवित रहने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। श्वसन क्रिया द्वारा प्रत्येक कोशिका को ऑक्सीजन प्राप्त होती है। और भोजन का ज्वलन होता है। भोजन रस के जलने से इन कोशिकाओं मे ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस प्रकार शरीर में ऊर्जा उत्पादन के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।

[क्र. पृ. उ.]

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 8 (अथवा)

उत्तर – प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य निम्न हैं –

① चोटग्रस्त व्यक्ति के जीवन की रक्षा करना।

② चोटग्रस्त अंगों में शीघ्र सम्भावित सुधार लाना।

B S E

प्रश्न क्रमांक – 9

उत्तर – निकट दृष्टिदोष के लक्षण निम्न हैं –

लक्षण – नेत्र व सिर दुखने लगते हैं। आँखे सूज जाती हैं। बार-बार गुहेरी हो जाती हैं। अतः दूर की वस्तुएँ स्पष्ट नहीं दिखाई देती हैं।

[क्र.प.उ.]

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 10 (अथवा)

उत्तर - (1) 'स्टेनले हॉल' के अनुसार - किशोरावस्था तूफान व तनाव की अवस्था है।

(2) 'हरलॉक' के अनुसार - किशोरावस्था समस्या बाहुल्य की अवस्था है।

प्रश्न क्रमांक - 11

उत्तर - कोशिका भित्ती - प्रत्येक जीवाणु कोशिका के चारों ओर एक दृढ़ सेल्युलोज की बनी कार्बनिक यौगिक की परत होती है। यह कठोर, छिद्रयुक्त लचीली तथा 10μ से 15μ मोटी होती है। यह कोशिका विभाजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

B S E

[कृ. प. उ.]

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 12 (अथवा)

उत्तर - बालक - बालिका में समानता के लिए निम्न प्रयास किया जाना चाहिए-

(1) बालक - बालिकाओं में असमानता के भेदभाव को समाप्त करना होगा तथा भ्रूण हत्या पर सख्ती से रोक लगानी होगी।

(2) बालक व बालिकाओं को शिक्षा, पोषण एवं देखभाल के मामले में समानता लानी होगी।

प्रश्न क्रमांक - 13 (अथवा)

उत्तर - जीवाणुओं का उद्योगों मे ~~निम्न~~ महत्व है -

(1) डेयरी उद्योग - दूध में उपस्थित जीवाणु दूध की लैक्टोज शर्करा को लैक्टिक ऐसिड या दही में बदल देते हैं। जिससे मक्खन प्राप्त किया जा सकता है।

[क्र. प. उ.]

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) ऐसीटिक अम्ल का निर्माण - ऐसीटिक अम्ल का निर्माण कर जीवाणु शक्कर को घोल को विखंडित्त कर सिरका बनाने में सहायक होते हैं।

(3) चर्म उद्योग - पशुओं की खाल से चमड़ा बनाने में कुछ जीवाणु अत्यधिक सहायक होते हैं। ये जीवाणु एक प्रकार का एन्जाइम स्थापित करते हैं जो खाल में लगे रोम, मांस व चर्बी को ~~विध~~ विघटित कर देते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 14

उत्तर - लक्षण - (1) बुखार भी आ जाता है।

(2) रोगी का मूत्र अत्यधिक पीला हो जाता है।

कारण - (1) पित्त की थैली की नली में पथरी, ट्यूमर के द्वारा रुकावट आने से।

(2) लाल रक्त कणिकाओं के अधिक टूटने से जैसे - मलेरिया एवं सर्प के काटने आदि से।

[क्र.प.उ.]

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14

उत्तर - उपचार - (1) रोगी को अधिक से अधिक आराम दिया जाना चाहिए।
(2) सामान्य साधारण औषधियों का उपचार सम्भव है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 16 (अथवा)

उत्तर - न्यूरोन्स के कार्य निम्न है।

(1) भिन्न - भिन्न में सुषुम्ना से होकर ऊपर जाने वाली संवेदनाएँ यही से होकर जाती है।

(2) भिन्न - भिन्न में सुषुम्ना मस्तिष्क के बीच होने वाली आज्ञा इसी के बीच से होकर जाती है।

यह विभिन्न संवेदनाओं का ज्ञान करती है।

[क्र. प. उ.]

कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 17

क्र.	धमनी	क्र.	शिरा
1	इनका रंग लाल या गुलाबी होता है।	1	इनका नीला रंग होता है।
2	ये शरीर की गहराई पर पाई जाती है।	2	ये शरीर के बाहरी ओर पाई जाती हैं।
3	इनमें रक्त का दबाव अधिक होता है।	3	इसमे रक्त का दबाव कम होता है।
4	धमनी में शुद्ध रक्त बहता है।	4	शिराओं में अशुद्ध रक्त बहता है।

BSE

[क्र० प० उ०]

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 19 (अथवा)

उत्तर - प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धान्त निम्न है -

(1) प्राथमिक चिकित्सा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धान्त परिस्थिति पर नियंत्रण पाना है।

(2) रोगी या पीड़ित व्यक्ति घबराई हुई स्थिति में रहते है। अतः उन्हें सान्त्वना प्रदान करना।

(3) रोगी की देखभाल हेतु यदि उसे अस्पताल में भर्ती कराना जरूरी हो तो तुरन्त एम्बुलेंस बुलवाना चाहिए।

(4) शांत रहिए, तथा जो सम्भव हो उसे शीघ्र करना चाहिए।

[क्र.प.उ.]

DARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 20

उत्तर - कारण - (1) दूषित सुई, रक्त एवं सिरिंजों के उपयोग से।

(2) असुरक्षित यौन सम्बन्ध रखने से।

(3) संक्रमित माँ यदि गर्भ धारण करती है तो उसके शिशु को भी यह रोग हो जाता है।

बचाव - (1) असुरक्षित यौन सम्बन्धों से बचना चाहिए।

(2) एड्स से ग्रस्त महिला के साथ विवाह नहीं करना चाहिए।

(3) दूषित ~~स~~ सुई एवं सिरिंजों का उपयोग से बचना चाहिए।

[क्र.प.उ.]

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 18 (अथवा)

उत्तर - अनुलोम - विलोम प्राणायाम के लाभ निम्न है -

(1) देखने, सुनने, सूँघने, स्वाद तथा स्पर्श के केन्द्र हो।

(2) मन को स्थिरता प्रदान करता है।

(3) इडा एवं पिंगला के प्राण प्रवाह में संतुलन बनाए रखता है।

(4) प्राण के सभी मार्ग खुल जाते हैं। तथा रूकावट आने से प्राण प्रवाह की गति तेज्ज हो जाती है।

(5) मन को शान्ति प्रदान करता है।

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ के अंक कुल अंक
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 15 (अथवा)

उत्तर - जनन ग्रन्थि का वर्णन निम्न है -

(1) अण्डाशय - अण्डाशय दो होते हैं। ये छोटे और गोलाकार होते हैं। तथा गर्भाशय के दोनों ओर अलग-अलग स्थित होते हैं। इनकी लम्बाई 15-20 सेमी॰ होती है। अण्डाशय गर्भाशय के गर्भाशय बीच स्थित होते हैं। जिसे अण्ड कहते हैं। अण्डाशय में निषेचित अण्ड का स्थान गर्भधारण कहलाता है। अण्डाशय प्रारम्भ होने के बाद अण्डवाहिनी का निर्माण करते हैं।

(2) गर्भाशय - गर्भाशय की लम्बाई 12 सेमी. तथा चौड़ाई नौं सेमी. होती है। स्त्री के गर्भाशय में भ्रूण पलता है तथा गर्भाशय के बीच स्थित होता है। गर्भाशय में भ्रूण विकसित होकर योनि का निर्माण करता है।

(3) योनि - योनि भी गर्भाशय के बीच स्थित होती है। योनी गर्भाशय में अपना एक विशेष स्थान बनाती है निषेचित अण्ड के पास स्थित होती है। योनि गर्भाशय में कई कोशिकाओं का निर्माण करती है।

BSE